संघ लोक सेवा आयोग

(Union Public Service Commission)

निबंध (Essay)

(अंतिम रूप से चयन (Final Selection) एवं टॉप रैंक निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका)

250 अंक, 3 घण्टे

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा

पढ़िए उनसे जिनकी प्रामाणिकता एवं श्रेष्ठता निर्विवाद है...

चुनौतियाँ एवं समाधान

☞ उनके लिए जो निबंध की तैयारी प्रारम्भ कर रहे हैं,

☞ उनके लिए जो कहीं, कभी पढ़ चुके हैं एवं स्वयं में सुधार चाहते हैं।

★ KGS IAS ★

704, Ground Floor, Main Road,
Opposite Batra Cinema, Mukherjeee Nagar,
Delhi--110009

निबंध

निबंध आधुनिक गद्य साहित्य की एक लोकप्रिय, सशक्त एवं महत्वपूर्ण विधा है। इसके माध्यम से व्यक्ति के संज्ञानात्मक एवं संवेगात्मक पक्ष के साथ-साथ उसकी अभिवृत्ति (Attitude) एवं अभिक्षमता का भी पता चलता है।

निबंध लेखन के क्रम में विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों, आयामों, प्रासंगिक तथ्यों, कथनों एवं संबंधित विचारों को क्रमबद्ध रूप से रोचक, प्रभावी एवं युक्तिसंगत रूप से लिखना चाहिए। निबंध की भाषा सरल, सुबोध, रूचिकर एवं जीवन्त हो। निबंध में एक तरफ स्वच्छन्दता एवं विचारों की ऊंची उड़ान होती है तो दूसरी तरफ आवश्यक संगति एवं तारतम्यता का भी ध्यान रखना होता है।

निबंध लेखन क्यो?

1. लेखन शैली एवं भाषा कौशल की परीक्षा होती है।
2. व्यक्ति के ज्ञान, अनुभव, व्यवस्थित सोच, विचार एवं भावना का पता चलता है।
3. अभ्यर्थी के व्यक्तित्व का मूल्यांकन होता है।
4. अभ्यर्थी की बौद्धिकता, तार्किकता, कल्पनाशक्ति एवं दृष्टिकोण का पता चलता है।
5. किसी विषयवस्तु को विभिन्न पक्षों में बांटकर देखने की विश्लेषणात्मक क्षमता एवं रचानात्मक दृष्टिकोण का परीक्षण होता है।

निबंध के माध्यम से लेखक या अभ्यर्थी संबंधित विषयवस्तु पर अपनी पकड़, वैचारिक स्पष्टता, व्यापक सोच, अनुभव, रचनात्मक तारतम्यतापूर्ण प्रभावी लेखन, सूझबूझ एवं उसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति का परिचय देता है।

क्या करें?	क्या न करें?
1. भाषा शैली सरल एवं सुबोध हो।	1. क्लिष्ट संस्कृत तत्सम् शब्दों का प्रयोग
2. विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों को क्रमिकता से तारतम्यता बनाते हुए लिखें।	2. विषयांतर (विषय से भटकाव)
3. वाक्य-विन्यास ठीक हो तथा विराम चिन्हों का समुचित प्रयोग हो।	3. शाब्दिक गलती, भाषाई त्रुटि
4. तार्किक एवं संतुलित दृष्टिकोण रखें, प्रगतिशील विचारों को समर्थन एवं खुले मन (open mindedness) का परिचय दें।	4. अनावश्यक पुनरावृत्ति, पूर्वाग्रह एवं रूढ़िवादिता का समर्थन
5. छोटा पैराग्राफ एवं शब्द सीमा का पालन	5. अतिवादी दृष्टिकोण का समर्थन।
6. उद्धरणों, सूक्तियों एवं मुहावरों का प्रयोग करें	6. मनगढ़ंत बातें जिनका तार्किक आधार न हो।
7. विचार को तथ्य एवं आंकड़ों से सपोर्ट करें।	7. धर्म विशेष, जाति विशेष, दल विशेष का समर्थन एवं विरोध
8. लोकतंत्र, संविधान, मानवता, नवाचार के समर्थन में हो।	8. सरकार की नीति एवं योजनाओं की सीधे-सीधे आलोचना
9. सुन्दर एवं पठनीय लेखन	9. नकारात्मक या निराशावादी दृष्टिकोण का समर्थन
10. निबंध लेखन का अभ्यास	10. विवादास्पद कथनों का उल्लेख।

निबंध लेखन (ESSAY WRITING)

(निबंध लेखन की तकनीक पर विशेष विवेचन या ध्यातव्य बातें)

निबंध लेखन का वह रूप है जिसमें किसी विषय का विचारपूर्वक एवं रोचक पद्धति से सुसम्बद्ध, रचनात्मक एवं तर्कपूर्ण प्रतिपादन किया जाता है। इसमें विषयवस्तु से संबंधित विचारों एवं भावों का अनुशासनपूर्वक लेखन किया जाता है।

निबंध में लालित्य का गुण होना चाहिए अर्थात् निबंध में सरसता, रोचकता एवं जीवंतता हो तथा साथ ही लेखन भी सुंदर एवं पठनीय हो।

अनुदेश (Instruction)

"उम्मीदवार की विषय-वस्तु की पकड़, चुने गए विषय के साथ प्रासंगिकता, रचनात्मक तरीके से सोचने की उसकी योग्यता और विचारों को संक्षेप में युक्तिसंगत और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की तरफ परीक्षक विशेष ध्यान देंगे।"

"Examiners will pay special attention to the candidate's grasp of his material, its relevance to the subject chosen, and to his ability to think constructively and to present his ideas concisely, logically and effectively."

- लिखे जाने वाले विषय पर अच्छी पकड़ हो।
- लेखन विषय-वस्तु के साथ प्रासंगिक हो अर्थात् विषय-वस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों का विस्तार करें, न कि किसी गैर-प्रासंगिक पक्ष का।
- विचार रचनात्मक हो अर्थात् केवल निषेधात्मक पक्षों को न लिखें, बल्कि उस विषय के भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को भी विस्तार दें।
- प्रस्तुतीकरण संक्षिप्त, युक्तिसंगत एवं प्रभावी हो।
- युक्तिसंगत का आशय है कि आप जो भी लिखें, उसके पीछे समुचित आधार हो।

स्पष्टीकरण

- विषय-वस्तु की पकड़
- लिखे जाने वाले विषय की अच्छी समझ हो।
- मुख्य विषय का मूल भाव समझ में आ रहा हो।
- विस्तार से विषय-वस्तु के विभिन्न पक्षों की समझ हो।
- निबन्ध में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ बिल्कुल स्पष्ट हो।

प्रासंगिकता

- लेखन विषय-वस्तु से संबंधित हो।
- गैर-प्रासंगिक पक्षों का उल्लेख न करें।
- जो लिखा जाए उसका प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संबंध विषय-वस्तु से हो।

जैसे-यदि निबंध का विषय समस्या-प्रधान है तो फिर निबंध को लिखते समय निम्नलिखित पक्षों को ध्यान में रखना चाहिए:-

- समस्या का स्वरूप

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- समस्या का प्रभाव- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों यथा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन पर, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर।
- समस्या का कारण
- समस्या को दूर करने के लिए किए गए प्रयास/उपाय
- क्या किया जाना चाहिए, क्या करना होगा
- नए व्यावहारिक उपाय (नवाचार)

रचनात्मक तरीके से सोचने की योग्यता

- विषय से संबंधित भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को लिखेंगे।
- पक्ष-विपक्ष और फिर समन्वय की भी स्थिति बतायेगें।
- अतिवादी दृष्टिकोण से बचेंगे।
- नकारात्मक पक्ष के साथ-साथ सकारात्मक पक्ष को भी लिखें। गुण और दोष दोनों की चर्चा करें।
- रवैया या प्रवृत्ति सकारात्मक हो।
- आशावादी दृष्टिकोण रखें चाहे समस्या जितनी भी गंभीर एवं व्यापक हों।

संक्षेप में

- व्यर्थ में विस्तार न दें।
- एक ही बात को बार-बार बदलते हुए न लिखे।

युक्तिसंगत

- आप जो भी लिखे उसके पीछे पर्याप्त आधार हो। विचारों एवं वक्तव्यों की पुष्टि या सत्यापन हेतु तथ्यों एवं आंकड़ों का प्रयोग करें। जैसे- यदि जल संकट पर कोई निबंध हो तो फिर धरती पर शुद्ध जल की उपलब्धता की मात्रा, जल-जीवन मिशन, कैच द रेन अभियान, जलदूत ऐप, हाल ही में जल संकट से संबंधित प्रकाशित रिपोर्ट आदि का भी उल्लेख करें। यदि कोई आर्थिक मुद्दें से संबंधित निबंध हो तो वहाँ अपेक्षित नवीनतम आंकड़ों एवं रिपोर्ट आदि का उल्लेख करें। बिहार एक जनसंख्या बाहुल्य वाला राज्य है। इसकी पुष्टि हेतु भारत के जनसंख्या घनत्व से बिहार के जनसंख्या घनत्व से तुलना की जा सकती है।
- या तो कुछ आधारों पर किसी मत को सिद्ध करें (Inductive Method) या किसी स्वीकृत तथ्य या अवधारणा के आधार पर अन्य पक्षों को निगमित करें। (Deductive method)

प्रभावी तरीका

- प्रभावी बनाने के लिए विद्वानों के मंतव्य, कविताओं, सूक्तियों, लोकोक्तियों, मुहावरों एवं उद्धरणों का प्रयोग करना चाहिए।
- क्रमबद्धता एवं तारतम्यता का होना आवश्यक है।
- संस्कृतनिष्ठ भाषा न हो।
- उर्दू के शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं।
- प्रभावी शब्दों एवं सारगर्भित विचारों से निबंध को जोड़े।
- व्यापक फलक प्रदान करें।

निबंध का चयन

- लगभग 5 मिनट का समय दें।
- सारे निबंधों को बारीकी से पढ़ें। निबंधों के अंग्रेजी अनुवाद को भी पढ़ें। जिस क्षेत्र या विषय पर आपकी विशेष पकड़ हो, जिससे मिलते-जुलते निबंध लेखन का अभ्यास आपने किया हो या जिस क्षेत्र से आप अभिरूचि रखते हैं उस क्षेत्र-विशेष की विषयवस्तु से संबंधित निबंध का चयन कर सकते हैं।
- चयन करने के बाद बाद कॉपी में निबंध के शीर्षक को लिखें।

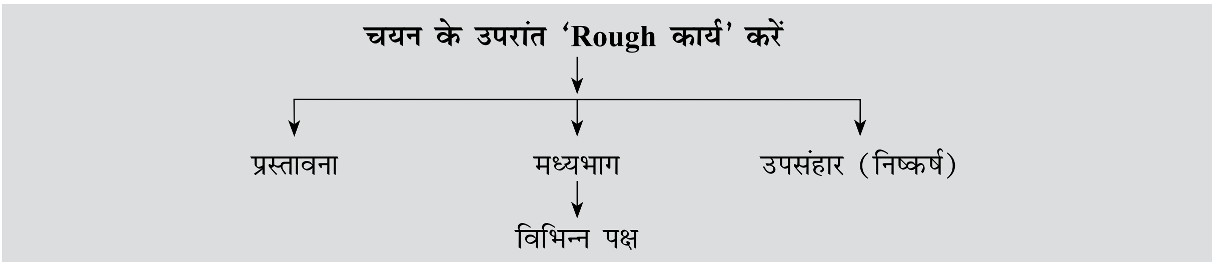

आरंभ/प्रस्तावना: निबंध का आरंभ आप किसी उद्धरण से, किसी घटना के संक्षिप्त विवरण से, निबंध के विषय की प्रासंगिकता से या निबंध के मूल भाव के विपरीत स्थिति से या शीर्षक के महत्त्वपूर्ण शब्द की व्याख्या से शुरू कर सकते हैं। निबंध की शुरुआत ऐसी होनी चाहिए कि पाठक या श्रोता में जिज्ञासा उत्पन्न हो जाये। पाठक निबंध के प्रति आकृष्ट हो जाए और उसे पढ़ने की रूचि उत्पन्न हो जाए। प्रस्तावना लगभग आठ से दस लाइन की होनी चाहिए। प्रस्तावना आकर्षक होनी चाहिए।

मध्य भाग: निबंध की विषय वस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों, विचारों, तथ्यों एवं बिन्दुओं का उल्लेख करें। लिखते वक्त इन विचाररूप बिंदुओं को क्रमिकतापूर्वक, अनुशासन के साथ विस्तार दें।

निष्कर्ष/उपसंहार: मौलिक, संतुलित, व्यावहारिक, रचनात्मक, संदेश-उन्मुखी, भविष्य-उन्मुखी एवं आशावाद से ओत-प्रोत होना चाहिए। तानाशाह की तरह एकतरफा निर्णय या अतिशयोक्तिपूर्ण बातें नहीं लिखनी चाहिए। निष्कर्ष में नैतिकता, जनहितकारिता, एवं प्रजातांत्रिक मूल्यों के अनुरूप भाव होना चाहिए।

अंत में लिखे गए निबंध को गौर से पढ़ें तथा वर्तनी, शब्दों, तथ्यों, तर्कों आदि में कोई त्रुटि हो तो उसमें सुधार करें।

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में पूछे गये निबंधों का विषयवार संकलन

1 सभ्यता, संस्कृति एवं समाज से जुड़े विषय (Issues related to civilization culture and society)

1.	'सोशल मीडिया' अंतर्निहित रूप से एक स्वार्थपरायण माध्यम है।	Social media is inherently a selfish medium.	2017
2.	जो समाज अपने सिद्धांत के ऊपर अपने विशेषाधिकारों को महत्व देता है, वह दोनों से हाँथ धो बैठता है।	A people that values its privileges above its Principales loses both.	2018
3.	व्यक्ति के लिए जो सर्वश्रेष्ठ है, वह आवश्यक नहीं कि समाज के लिए भी हो	Best for an individual is not necessarily best for the society	2019
4.	दक्षिण एशियाई समाज सत्ता के आस-पास नहीं, बल्कि अपनी अनेक संस्कृतियों और विभिन्न पहचानों के ताने-बाने से बने हैं	South Asian societies are woven not around the state, but around their plural cultures and plural identities	2019
5.	जो हम है, वह संस्कार; जो हमारे पास है, वह सभ्यता	Culture is what we are, civilisation is what we have.	2020

2 वैश्विक व्यवस्था तथा अंतर्राष्ट्रीय नीति (World Order and International Policy)

1.	भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका के लिए हमारे समाज की तैयारी।	Preparedness of our society for India's global leadership role.	2010
2.	क्या गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) एक बहुध्रुवी विश्व में अपनी प्रासंगिकता को खो बैठा है?	Has the Non- Alignment Movement (NAM) lost its relevance in a multipolar world.	2017
3.	भारत के सीमा विवादों का प्रबंधन-एक जटिल कार्य	Management of Indian border disputes - a complex task	2018

3 दार्शनिक/कल्पनात्मक एवं अन्य अमूर्त विषय
(Philosophical, Imagnative and other Abstract Issues)

1.	जो बदलाव आप दूसरों में देखना चाहते हैं- पहले स्वयं में लाइए-गाँधीजी	Be the change you want to see in others-Ghandhi Ji	2013
2.	शब्द दोधारी तलवार से अधिक तीक्ष्ण होते हैं।	Words are sharper than the two-edged sword.	2014
3.	ओलम्पिक में पचास स्वर्ण पदकः क्या एक भारत के लिए यह वास्तविकता हो सकती है?	Fifty Golds in Olympics: Can this be a reality for India?	2014
4.	फुर्तीला किन्तु संतुलित व्यक्ति ही दौड़ में विजयी होता है।	Quick but steady wins the race.	2015
5.	वे सपने जो भारत को सोने न दें।	Dreams which should not let India sleep.	2015
6.	आवश्यकता लोभ की जननी है तथा लोभ का आधिक्य नस्लें बर्बाद करता है।	Need brings greed, if greed increases it spoil breed	2016
7.	हर्ष कृतज्ञता का सरलतम रूप है।	Joy is the simplest form of gratitude	2017
8.	एक अच्छा जीवन प्रेम से प्रेरित तथा ज्ञान से संचालित होता है।	A good life is one inspired by love and guided by knowledge.	2018
9.	'अतीत' मानवीय चेतना तथा मूल्यों का स्थायी आयाम है।	"The past' is a permanent dimension of human consciousness and values.	2018
10.	यथार्थ आदर्श के अनुरूप नहीं होता है, बल्कि उसको पुष्टि करता है।	Reality does not confirm to the ideal, but confirms it.	2018
11.	रूढ़िगत नैतिकता आधुनिक जीवन का मार्गदशक नहीं हो सकती है।	Customary morality cannot be a guide to modern life.	2018
12.	विवेक सत्य को खोज निकालता है	Wisdom finds truth	2019
13.	मूल्य वे नहीं जो मानवता है, बल्कि वे हैं जैसा मानवता को होना चाहिए	Values are not what humanity is, but what humanity ought to be	2019
14.	स्वीकारोक्ति का साहस एवं सुधार करने की निष्ठा सफलता के दो मंत्र हैं	Courage to accept and dedication to improve are two keys to success	2019
15.	मनुष्य होने और मानव बनने के बीच का लम्बा सफर ही जीवन है	Life is a long journey between human being and being humane.	2020
16.	विचारपरक संकल्प स्वयं के शांतचित्त रहने का उत्प्रेरक है	Mindful manifesto is the catalyst to a tranquil self.	2020
17.	जहाज अपने चारों तरफ के पानी के वजह से नहीं डूबा करते, जहाज पानी के अंदर समा जाने की वजह से डूबते हैं	Ships do not sink because of water around them, ships sink because of water that gets into them.	2020
18.	सरलता चरम परिष्करण है	Simplicity is the ultimate sophistication.	2020

19.	आत्म-संधान की प्रक्रिया अब तकनीकी रूप से वाह्य स्रोतों को सौंप दी गई है।	The process of self-discovery has now been technologically outsourced.	2021
20.	आप की मेरे बारे में धारणा, आपकी सोच दर्शाती है; आपके प्रति मेरी प्रतिक्रिया, मेरा संस्कार है।	Your perception of me is a reflection of you; my reaction to you in an awareness of me.	2021
21.	इच्छारहित होने का दर्शन काल्पनिक आदर्श (युटोपिया) है, जबकि भौतिकता माया है।	Philosophy of wantlessness is Utopian, while materialism is a chimera.	2021
22.	सत् ही यथार्थ है और यथार्थ ही सत् है।	The real is rational and the rational is real.	2021
23.	पालना झूलाने वाले हाथों में ही संसार की बागडोर होती है।	Hand that rocks the cradle rules the world.	2021
24.	शोध क्या है, ज्ञान के साथ एक अजनबी मुलाकात!	What is research, but a blind date with knowledge!	2021
25.	इतिहास स्वयं को दोहराता है, पहली बार एक त्रासदी के रूप में, दूसरी बार एक प्रहसन के रूप में।	History repeats itself, first as a tragedy, second as a farce.	2021
26.	कवि संसार के अनधिकृत रूप से मान्य विधायक होते हैं।	Poets are the unacknowledged legislators of the world.	2022
27.	इतिहास वैज्ञानिक मनुष्य के रूमानी मनुष्य पर विजय हासिल करने का एक सिलसिला है।	History is a series of victories won by the scientific man over the romantic man.	2022
28.	जहाज बन्दरगाह के भीतर सुरक्षित होता है, परन्तु इसके लिए तो वह होता नहीं है।	A ship in harbour is safe, but that is not what ship is for.	2022
29.	छप्पर मरम्मत करने का समय तभी होता है, जब धूप खिली हुई हो।	The time to repair the roof is when the sun is shining.	2022
30.	आप उसी नदी में दोबारा नहीं उतर सकते।	You cannot step twice in the same river.	2022
31.	हर असमंजस के लिए मुस्कराहट ही चुनिन्दा साधन है।	A smile is the chosen vehicle for all ambiguities.	2022
32.	केवल इसलिए कि आपके पास विकल्प है, इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि उनमें से किसी को भी ठीक होना ही होगा।	Just because you have a choice, it does not mean that any of them has to be right.	2022

4 महिला/लिंग संबंधी विषय (Women / Gender related Issues)

1.	स्त्री-पुरुष के समान सरोकारों को शामिल किए बिना विकास संकटग्रस्त है।	If development is not engendered, it is endangered	2016
2.	भारत में 'नए युग की नारी' की परिपूर्णता एक मिथक है।	Fulfillment of 'new woman' in India is a myth.	2017
3.	पुरूष तो असफल हो गये, अब महिलायें ही बाग. डोर संभालेंगी।	Men have failed; let women take over.	2018
4.	पितृ-सत्ता की व्यवस्था नजर में बहुत कम आने के बावजूद सामाजिक विषमता की सबसे प्रभावी संरचना है	Patriarchy is the least noticed yet the most significant structure of social inequality.	2020

5 सामाजिक-आर्थिक-न्याय से संबंधित विषय (Socio-Economic-Justice Related Issues)

1.	सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के साथ-साथ सकल घरेलू खुशहाली (GDH) देश की संपन्नता के मूल्यांकन के सही सूचकांक होंगे।	GDP (Gross Domestic Product) along with GDH (Gross Domestic Happiness) would be the right indices for judging the well-being of a country.	2013
2.	क्या प्रतिस्पर्धा का बढ़ता स्तर युवाओं के हित में है?	Is the growing level of competition good for the youth?	2014
3.	क्या यह नीति-गतिहीनता थी या कि क्रियान्वयन-गतिहीनता थी, जिसने हमारे देश की संवृद्धि को मंथर बना दिया था?	Was it the policy paralysis or the paralysis of implementation which slowed the growth of our country?	2014
4.	क्या स्टिंग ऑपरेशन निजता पर एक प्रहार है?	Is sting operation an invasion on privacy?	2014
5.	पर्यटन: क्या भारत के लिए यह अगला बड़ा प्रेरक हो सकता है?	Tourism: Can this be the next big thing for India?	2014
6.	भारत में अधिकतर कृषकों के लिए कृषि जीवन-निर्वाह का एक सक्षम स्रोत नहीं रही है।	Farming has lost the ability to be a source of subsistence for majority of farmers in India.	2017
7.	किसी को अनुदान देने से, उसके काम में हाथ बंटाना बेहतर है।	Lending hands to someone is better than giving a dole.	2015
8.	भारत के सम्मुख संकट- नैतिक या आर्थिक।	Crisis faced in India- moral or economic.	2015
9.	भारत में लगभग रोजगारविहीन संवृद्धि: आर्थिक सुधार की विसंगति या परिणाम	Near Jobless growth in India: an anomaly or an outcome of economic reforms	2016
10.	डिजिटल अर्थव्यवस्था: एक समताकारी या आर्थिक असमता का स्रोत	Digital economy: a leveller or a source of economic inequality	2016

11.	नवप्रवर्तन आर्थिक संवृद्धि और सामाजिक कल्याण का अपरिहार्य निर्धारक है	Innovation is the key determinant of economic growth and social welfare	2016
12.	भारत में संघ और राज्यों के बीच राजकोषीय संबंधों पर नए आर्थिक उपायों का प्रभाव।	Impact of the new economic measures on fiscal ties between the union and states in India.	2017
13.	कहीं पर भी गरीबी, हर जगह की समृद्धि के लिए खतरा है।	Poverty anywhere is a threat to prosperity everywhere.	2018
14.	बिना आर्थिक समृद्धि के सामाजिक न्याय नहीं हो सकता, किन्तु बिना सामाजिक न्याय के आर्थिक समृद्धि निरर्थक है	There can be no social justice without economic prosperity but economic prosperity without social justice is meaningless.	2020
15.	"सर्वोत्तम कार्यप्रणाली" से बेहतर कार्यप्रणालियाँ भी होती हैं।	There are better practices to "best practices".	2021

6 पारिस्थितिकीय व भौगोलिक विषय (Ecological and Geographical Issues)

1.	हम मानवीय नियमों का तो साहसपूर्वक सामना कर सकते हैं, परंतु प्राकृतिक नियमों का प्रतिरोध नहीं कर सकते।	We may brave human laws but cannot resist natural laws.	2017
2.	जलवायु परिवर्तन के प्रति सुनम्य भारत हेतु वैकल्पिक तकनीकें।	Alternative technologies for a climate change resilient India.	2018
3.	आर्थिक समृद्धि हासिल करने के मामले में वन सर्वोत्तम प्रतिमान होते हैं।	Forests are the best case studies for economic excellence.	2022

7 विज्ञान-तकनीकी से संबंधित विषय (Science and Technology)

1.	राष्ट्र के विकास व सुरक्षा के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) सर्वोपचार है।	Sciecne and Technology is the panacea for the growth and security of the nation.	2013
2.	प्रौद्योगिकी, मानवशक्ति को विस्थापित नहीं कर सकती।	Technology can not displace human power.	2015
3.	साइबरस्पेस और इंटरनेट: दीर्घ अवधि में मानव सभ्यता के लिए वरदान अथवा अभिशाप	Cyberspace and Internet: Blessing or curse to human civilization in the long run.	2016
4.	कृत्रिम बुद्धि का उत्थान : भविष्य के बेरोजगारी का खतरा अथवा पुनर्कौशल और उच्चकौशल के माध्यम से बेहतर रोजगार के सृजन का अवसर	Rise of Artificial Intelligence: the threat of jobless future or better job opportunities through reskilling and upskilling	2019
5.	अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मौन कारक के रूप में प्रौद्योगिकी	Technology as the silent factor in international relations.	2020

8 लोकतंत्र, राजनीति व प्रशासन संबंधी विषय (Democracy, Political and Administrative Issues)

1.	विषय में गाँधीजी के विचारों के संदर्भ में 'स्वाधीनता', 'स्वराज' और 'धर्मराज्य' शब्दों का क्रमविकासात्मक पैमाने पर अन्वेषण कीजिए। भारतीय लोकतंत्र पर उनकी समकालीन प्रासंगिकता पर समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।	In the context of Gandhiji's views on the matter, explore, on an evolutionary scale, the terms 'Swadhinata', 'Swaraj' and 'Dharmarajya'. Critically comment on their contemporary relevance to Indian democracy.	2012
2.	क्या औपनिवेशिक मानसिकता भारत की सफलता में बाधक हो रही हैं?	Is the Colonial mentality hindering India's success?	2013
3.	अधिकार (सत्ता) बढ़ाने के साथ उत्तरदायित्व भी बढ़ जाता है।	With greater power comes greater responsibility.	2014
4.	क्या पूंजीवाद द्वारा समावेशित विकास हो पाना संभव है?	Can capitalism bring inclusive growth?	2015
5.	किसी संस्था का चरित्र चित्रण, उसके नेतृत्व में प्रतिबिम्बित होता है।	Character of an institution is reflected in the leader.	2015
6.	संघीय भारत में राज्यों के बीच जल-विवाद	Water disputes between States in federal India	2016
7.	सहकारी संघवाद: मिथक अथवा यथार्थ	Cooperative federalism: Myth or reality	2016
8.	पक्षतापूर्ण मीडिया भारत के लोकतंत्र के समक्ष एक वास्तविक खतरा है	Biased media is a real threat to Indian democracy	2019

9 शिक्षा संबंधी विषय (Educational)

1.	मूल्यों से वंचित शिक्षा, जैसी अभी उपयोगी है, व्यक्ति को अधिक चतुर शैतान बनाने जैसी लगती है।	Education without values, as useful as it is, seems rather to make a man more clever devil.	2015
2.	राष्ट्र के भाग्य का स्वरूप-निर्माण उसकी कक्षाओं में होता है।	Destiny of a nation is shaped in its classrooms.	2017
3.	प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की उपेक्षा भारत के पिछड़ेपन के कारण हैं	Neglect of primary health care and education in India are reasons for its backwardness	2019

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा - 2023

SKYC-G-ESSY

CIVIL SERVICES (MAIN) EXAM- 2023

निर्धारित समय : ***तीन*** घंटे
Time Allowed : ***Three*** Hours

निबंध/ESSAY

अधिकतम अंक : ***250***
Maximum Marks : ***250***

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में ***निबन्ध*** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख्यपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

The ***ESSAY*** *must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.*

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

निम्नलिखित खण्ड A और B प्रत्येक से **एक** *विषय चुनकर* **दो** *निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो:*

Write ***two*** *essays, choosing* ***one*** *topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each:* *125×2 = 250*

खण्ड A

SECTION A

1. चिंतन एक तरह का खेल है, यह तब तक प्रारम्भ नहीं होता, जब तक एक विरोधी पक्ष न हो।

Thinking is like a game, it does not begin unless there is an opposite team.

2. दूरदर्शी निर्णय तभी लिए जाते हैं जब अंतर्ज्ञान और तर्क का परस्पर मेल होता है।

Visionary decision-making happens at the intersection of intuition and logic.

3. सभी भटकने वाले गुम नहीं होते हैं।

Not all who wander are lost.

4. रचनात्मकता की प्रेरणा लौकिकता में चमत्कार ढूंढने के प्रयास से उपजती है।

Inspiration for creativity springs from the effort to look for the magical in the mundane.

खण्ड B

SECTION B

5. लड़कियाँ बंदिशों के तथा लड़के अपेक्षा के बोझ तले दबे हुए होते हैं- दोनों ही समान रूप से हानिकारक व्यवस्थाएँ हैं।

Girls are weighed down by restrictions, boys with demands - two equally harmful disciplines.

6. गणित ज्ञान का संगीत है।

Mathematics is the music of reason.

7. जिस समाज में अधिक न्याय होता है, उस समाज को दान की कम आवश्यकता होती है।

A society that has more justice is a society that needs less charity.

8. शिक्षा वह है जो विद्यालय में सीखी गई बातों को भूल जाने के बाद भी शेष रह जाती है।

Education is what remains after one has forgotten what one has learned in school.

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

संभावित निबंध

1. वर्तमान की वास्तविकताओं के परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ की पुनः संरचना।
2. केवल शक्ति और अधिकार ही महिलाओं की मदद नहीं कर सकते।
3. धारणीय राष्ट्रीय विकास के लिए खाद्य सुरक्षा।
4. धारित आर्थिक विकास के लिये पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का परिरक्षण अत्यावश्यक है।
5. विज्ञान की प्रगति और मानवीय मूल्यों का ह्रास।
6. आध्यात्मिकता और वैज्ञानिक प्रवृत्ति।
7. नैतिकताविहीन राजनीति अनर्थकारी होती है।
8. महिलाओं की भागीदारी से बढ़ता हुआ आर्थिक विकास
9. महिला सशक्तिकरण : दशा एवं दिशा
10. लिंग समानता : स्थापना के उपाय एवं नवाचार
11. भारत में जेण्डर न्यूट्रलिटी (लिंग तटस्थता) की मांग : समानता का नया आयाम
12. नई शिक्षा नीति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ
13. मूल्यपूर्ण शिक्षा ही भावी जीवन की नींव है।
14. व्यक्तित्व के सर्वांगींण विकास एवं चरित्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका
15. जल है तो कल है।
16. नदी जोड़ो परियोजना : चुनौतियाँ एवं समाधान
17. एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य
18. वैश्विक स्तर पर भारत की उभरती भूमिका
19. समावेशी विकास : सामाजिक न्याय का आधार
20. भारत की सामासिक संस्कृति एवं उभरती चुनौतियाँ
21. अमृतकाल में भारत की संभावनाएँ एवं चुनैतियाँ
22. स्वतंत्रता के 75वर्ष : भारत ने क्या खोया, क्या पाया
23. समग्र आरोग्यता के लिए एकीकृत दृष्टिकोण वर्तमान की आवश्यकता है।
24. भारत में न्यायिक सुधार : चुनौतियाँ एवं समाधान
25. विज्ञान एवं धर्म - परस्पर विरोध या पूरकता
26. कृत्रिम बुद्धिः भविष्य का द्वार या संकटों का आमंत्रण
27. कृत्रिम बुद्धि एक दोधारी तलवार है।
28. परमार्थ में ही मानव जीवन की सार्थकता है।
29. दूरदर्शिता एवं समय के अनुसार परिवर्तन ही सफलता का आधार है।
30. रचनात्मक चिंतन सफलता का प्रथम सोपान है।

31. मूल्यपूर्ण जीवन ही सार्थक जीवन है।
32. कर्म करें, फल की चिंता न करें
33. विवेक एवं सद्संगति सार्थक जीवन का आधार हैं।
34. विवेक सत्य को खोज निकालता है।
35. सत्य जिया जाता है, सिखाया नहीं जाता।
36. धैर्य, आशा एवं निरन्तर श्रम सफलता की कुंजी है।
37. कृषि अर्थव्यवस्था : नवाचार एवं नवीन प्रौद्योगिकी की उपयोगिता
38. किसान समृद्धि एवं पोषण सुरक्षा में श्रीअन्न की भूमिका
39. जीवन में मध्यम मार्ग सफलता की कुंजी है।
40. जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार की भूमिका
41. लोकतंत्र में मूल्यों की आवश्यकता।
42. एक नैतिक मूल्य आधारित समाज, वर्तमान की आवश्यकता है।
43. साक्षरता : मानव विकास की आधारशिला।
44. भारतीय संस्कृति: विविधता में एकता
45. जो बदलाव आप दूसरों में देखना चाहते हैं- पहले स्वयं में लाइए-गाँधीजी
46. भावी भारत के निर्माण में बुद्धिजीवियों की भूमिका
47. भारत के सम्मुख संकट- नैतिक या आर्थिक।
48. उपभोक्तावादी संस्कृति विनाश का आमंत्रण पत्र है।
49. अधिकार एवं कर्त्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।
50. साधन बीज है और साध्य वृक्ष स्वरूप है।
51. कर्त्तव्यों के संसार में अधिकार सुरक्षित रहते हैं।
52. महात्मा गाँधी की वर्तमानकालीन प्रासंगिकता
53. पाप से घृणा करो, पापी से नहीं
54. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण एवं पंचायतीराज
55. प्रशासन के समक्ष उभरती नई चुनौतियाँ एवं उनका समाधान
56. शासन में नैतिकता को बढ़ावा देने के उपाय एवं चुनौतियाँ
57. सुशासन सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन एवं सुधार का आधार है।
58. संवैधानिक मूल्य स्वस्थ लोकतंत्र के सारतत्व हैं।
59. वैश्विक शासन : वर्तमान एवं भविष्य
60. मनुष्य देवत्व एवं पशुत्व के बीच की कड़ी है।
61. सामाजिक विघटन : कारण, स्वरूप एवं निदान
62. मानव पूँजी एवं सामाजिक पूँजी, स्वस्थ जीवन का आधार है।
63. कौशल रहित जनसंख्या ही वास्तविक समस्या है।

64. अगर मैं भारत का प्रधानमंत्री होता।
65. यदि मैं वैज्ञानिक होता!
66. पर्यावरण, विकास एवं विस्थापन
67. प्रकृति एवं मानवता के बीच संबंध : दशा एवं दिशा
68. जलवायु परिवर्तन एवं कृषि
69. ग्लोबल वार्मिंग एवं वैश्विक संकट
70. भारत में ई-अपशिष्ट प्रबंधन : प्रयास एवं चुनौतियाँ
71. सोशल मीडिया: वरदान या अभिशाप
72. लोकतंत्र में मीडिया की बदलती भूमिका
73. आवश्यकता अविष्कार की जननी है।
74. अपने आप में प्रकाश बनें (आत्म दीपो भव:)
75. क्या औपनिवेशिक मानसिकता भारत की सफलता में बाधक हो रही हैं?
76. विज्ञान की प्रगति एवं मानवीय मूल्यों का ह्रास
77. आधुनिक जीवन शैली में खेल एवं योग का स्थान
78. समानता, स्वतंत्रता एवं न्याय का विचार परस्पर अंतर्संबंधित हैं।
79. अतीत का अंधानुकरण या पूर्णत: विरोध, दोनों अनुचित हैं।
80. गांवों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने में सहकारी समितियों की भूमिका एवं चुनौतियाँ
81. डिजिटल अर्थव्यवस्था : एक समतावादी या आर्थिक असमता का स्रोत ।
82. डिजिटल लिटरेसी, डिजिटल डिवाइड और डिजिटल फॉस्टिंग : वर्तमान की चर्चित अवधारणाएँ
83. नकदी रहित अर्थव्यवस्था (कैशलेश इकोनॉमी): सम्भावनाएँ, मुद्दे एवं चुनौतियाँ
84. 'धरती के नीचे की जड़ें शाखाओं को फलदार बनाने के लिए किसी पारितोषिक का दावा नहीं करती।'
85. आत्मनिर्भर भारत: संभावना, चुनौती एवं समाधान
86. रक्षा क्षेत्र में भारत की उभरती भूमिका : आयातक से निर्यातक का सफर
87. अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की महाशक्ति बनने की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ
88. आजादी का अमृत महोत्सव : 75 वर्षो की उपलब्धियाँ एवं आगे की राह
89. गांव से शहरों की ओर पलायन : भविष्य की नयी चुनौती
90. साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब है न कि दर्पण
91. स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं नैतिक चुनाव लोकतंत्र का आधार है।
92. क्या आधुनिक जीवन शैली शांति एवं विकास का दीर्घकालिक समाधान देता है?
93. एक साथ आधुनिकता और रूढ़िवादिता की ओर बढ़ रहा भारतीय समाज
94. गरीबी और जलवायु परिवर्तन से लड़ाई विकासशील देशों के लिए एक चुनौती
95. सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का दावा : आधार, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ
96. सहिष्णुता राष्ट्रीय एकता की कुंजी है।

97. नवप्रवर्तन (नवाचार) आर्थिक संवृद्धि और सामाजिक कल्याण का निर्धारक है।
98. सांप्रदायिकता का बढ़ता दायरा – राष्ट्र की एकता और अखण्डता के लिए चुनौती
99. 'जो लोग अतीत से सबक नही लेते, वो इसे दोहराने का अपराध करते हैं।'
100. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय चेतना के प्रसार में सुधारकों एवं रचनाकारों की भूमिका।
101. भारत की लोकसंस्कृति में जीवन का संदेश समाहित है।
102. वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे
103. सादा जीवन, उच्च विचार।
104. विचार जीवन का आधार है।
105. गुणवत्तापूर्ण जीवन में ही मानव जीवन की सार्थकता है।
106. जीवन की गुणवत्ता महज आर्थिक अवधारणा नहीं है।
107. मूल्य सजग जीवन-शैली वर्तमान की आवश्यकता है।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR